

अमेरिका से शेल तेल खरीदने का फैसला

चर्चा में क्यों ?

भारत खाड़ी देशों से कच्चे तेल आयात की निर्भरता को कम करने के साथ-साथ इसके स्रोतों में वसतिार भी करना चाहता है। इसी सलिसललल में उसने अमेरिका से शेल तेल (Shale Oil) खरीदने का फैसला कलल है। भारत में पहली बार शेल तेल आयात कलल जा रहा है।

शेल तेल कलल है ?

- शेल तेल ऐसी अवसादी चट्टानों से प्राप्त कलल जाता है जो हाइड्रोकार्बन की स्रोत होती हैं। इन चट्टानों पर उच्च ताप और दबाव के कारण गैस और द्रव उत्पन्न होता है। यह एल. पी. जी. की तुलना में अधिक स्वच्छ होती है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में शेल तेल के भारी भंडार हैं। फललहाल वही सबसे अधिक मात्रा में इसका उत्पादन कर रहा है।

भारत ऐसा कलल करना चाहता है ?

- इंडयलन ऑयल कॉर्पोरेशन ने अमेरिका से शेल तेल खरीदने का ऑर्डर दलल है। अमेरिका से शेल तेल की कीमतें खाड़ी देशों से खरीदे जाने वाले कच्चे तेल की तुलना में बहुत प्रतस्पर्धी हैं। इस मामले में सरकार ने भी इंडयलन ऑयल कॉर्पोरेशन का समर्थन कलल है।
- उल्लेखनीय है कलल खाड़ी देश एशयलई देशों द्वारा तेल कलल करने पर उस पर अलग से 'एशयलन प्रीमयलम' चार्ज करते हैं।
- अतः अमेरिका जैसे नए स्रोतों से तेल आयात से ओपेक (OPEC) देशों पर 'एशयलई प्रीमयलम' को कम करने का दबाव पड़ेगा।

फ्री ऑन बोर्ड मॉडल

- भारतीय तेल कंपनयलं फ्री ऑन बोर्ड के आधार पर तेल खरीदती थीं। फ्री ऑन बोर्ड मॉडल के तहत, वकलरेता के समुद्र तटों को छोड़ने के तुरंत बाद ही खरीदार अपने सामान की डललीवरी ले लेता है, जसलका अर्थ है कलल शलपलंगल लागत खरीदार द्वारा वहन की जाती है।